प्रातः क्लास ओमशान्ति पिताश्री मधुबन 28-7-67

ओमशान्ति। बाप कहते हैं अपने दिल से पूछो बाप की याद में अच्छी रीत बैठे रहते हो।जो बाप हम आत्माओं को अमर बनाये रहे हैं। यूं तो आत्मा है अमर,परन्तु अभी बाप मृत्यु लोक से अमर लोक में लेजाते है। तो ऐसे बाप की याद करना चाहिए ना। अमर लोक में कोई दुःख नहीं होता।यहां मृत्यु लोक में कितना दुख है। तो जितना हो सके बाप को याद करना है।गायन भी है सिमर2 सुख पावो।कल कलेश मिटे सब तन के। किसको सिमरना है,यह किसको पता नहीं।कल कलेश मिटे सब तनके। यहाँ तो कोई के तन का कल कलेश मिट नहीं सकता।कोई भी छूट नही सकता। कुछ न कुछ कलेश जरूर होगा। अब बाप कहते तुम सिर्फ मामेकं याद करो।आधा कल्प के लिए तुम सुखी बन जावेंगे।वहां दुख का नाम न रहेगा। बाप को याद करना यह है पहला फर्ज।आज सहारनपुर के बच्चे जाते हैं। फिर थोड़े बच्चे हो जावेंगे। बाबा बहुत बच्चों को देख खुश होते हैं। बच्चे आये हैं झोली भरने।भक्त लोग इन बातों को नहीं जानते। वे तो दुर्गति को पाये हुये हैं। एक गीता के भगवान को भूल जाने कारण कितने कंगाल पतित बन गये हैं।गीता का भगवान स्वर्ग बनाते हैं,और गीता सुनाने वाले नर्क बनाये देते हैं।इतना फर्क है। तुम बच्चों को अच्छी रीत याद करना है।तुम्हारी गैरन्टी थी मामाआप आवेंगे तो आप के सिवाय और कोई को याद नहीं करेंगे।सिर्फ गीता का भगवान कृष्ण को कहने से बेड़ा ही गर्क कर दिया है। बाबा ने आगे भी कहा था कि इस पर केस होना चाहिए।गीता को झूठ बनाने कारण भारत का बेड़ा गर्क कर दिया है। कितने जंगली बन गये हैं।अब बच्चे यहां सेमीनार कर रहे हैं, बाबा को सब अपनी2राय भेजते रहते हैं कि ऐसा2 होना चाहिए। अब यह तो सब राय बाबा देते हैं।वह ही रिपीट करते हैं। नई राय तो कोई की नहीं हैं।बाबा ने सब की राय अच्छी रीत देखी है।कोई ने लिखा है,प्रदर्शनी मास में तीन होनी चाहिए। कोई ने लिखा है म्युजियम ऐसा होना चाहिए,गांव2 की सर्विस होनी चाहिए।इसके लिए मोटर होनी चाहिए। अखबारों की सर्विस होनी चाहिए।दिल्ली में पड़ना चाहिए।ऐसे2 राय लिख भेजे हैं।समझाने वाले अच्छे होने चाहिए। अब इतने कहां से लावें।यह तो बाबा भी कहते हैं नम्बरवार है।कोई तो ऐसे भी हैं जिनको दस जगह ट्रांसफर करो तो भी ठिकाना नहीं पाते।यह कहते सब होशियार हो, यह हो। अब ऐसे कहां से लावें।अच्छे एक जगह इकट्ठे हो जावें तो बाकि सेन्टर्स खाली हो जाए। बहुत राय दी है। है तो वही जो बाबा समय प्रति समय देते रहते हैं। बाबा का फिर विचार है कि रहते2 मुख्य बात है गीता के भगवान की। इस पर ही इन सब का लड़ाई का आधार है। आजकल तो बहुत माईयां भी निकली है। संस्कृत में श्लोक सुनाया ,थोड़ा अर्थ किया । तो बस उन पर कुर्बान हो जाते हैं।इस पर इन्हों का रोजान बहुत है। बहुत पैसे कमाते हैं।यह तो जैसे बादशाह हैं।इन शास्त्रों के आधार पर लाखों पलते है। उन्हों की पांव जाये पड़ते हैं।माईयां गुरु का अंगुठा धोय कर पीती है। मुसलमानों पास भी जाय अपना गुरु बनाते हैं। शराब कबाब आद ले जाते हैं। रिधी-सिधी वाले तो बहुत हैं।तो बाबा ने राय दी थी मुख्य एक ही बात है गीता के भगवान की ।गीता ही भारत का मुख्य शास्त्र है माई-बाप ।बाकि सब हैं बच्चे।वेद शास्त्र आद वह है पते।गीता है मुल बीज।पते अनगिनत हैं।गीता एक है।शास्त्र तो ढेर हैं। अब बात है एक। परिवर्तन कैसे हो।वो कहते गीता का भगवान कृष्ण है तुम सिध करते हो।गीता का भगवान परम पिता परमात्मा शिव है।चित्र भी बनाते हैं।शिव पुनर्जन्म रहित।श्री कृष्ण तो पूरे 84 जन्म लेने वाले हैं। निराकार शिव बाबा खुद इस रथ पर सवार हो बतलाते हैं। मैं कैसे आता हूं।यह ही बड़ी मुख्य बात है। सब का शरीर निर्वाह चलता है,सब गुरुओं की जंजीर में फंसे हुये हैं।भगवान सर्वव्यापी कह बेमुख करते हैं। इस से भी पहली बात गीता का भगवान कौन?कृष्ण तो सबका बाप पतितपावन हो नहीं सकता। इस बात का परिवर्तन कैसे हो।गीता का भगवान कौन है यह चित्र है सबसे मुख्य ।एक तरफ गीतापर

त्रिमूर्ति शिव का चित्र। एक तरफ कृष्ण का चित्र। दोनों की वायाग्राफी भी लिखनी है। वह पूरे 84 जन्म लेते हैं। वह एक ही बार आते हैं शिवकारी विश्व का कल्याण करने। यह बात अगर सिध हो जायें तो बस सब का भण्डा ही फूट जाये। हृदय विदीर्ण हो जाये। और सभी बातों से यह मुख्य बात। बच्चों ने ढेर रस रायें लिखी हैं। कागज भरते गये हैं। यहां भी आकर डिवेट करेंगे। बाबा कहते हैं इन सभी बातों से तो एक ऐसा बम हो जो अमेरिका से छोड़े तो सारे चाईना खतम हो जाय। तुम्हारा ऐसा बम निकले जो सब का आंख खुल जाये। बच्चों ने किसम2 की राय निकाली है। फंड्स चाहिए। मोटरें हो जिस से गांव2 की सर्विस की जाये। बाबा ने कभी ही राय लिखी थी देहली में ऐसे एक दो मोटर हो जिससे गांवों की सर्विस की जाय। वह भी चैस ह हो। जिस में बाडी नहीं होती है। आगे तो बहुत सस्ती मिलती थी। अब बाप तो है गरीब निवाज। ऐसा कोई शाहुकार तो है नहीं जो कहे कि बाबा हम लाख देता हूं। 12 मोटर खरीद कर लो। तो बाबा विचार कर रहे हैं। बाबा के पास एक गुलजार की राय आई है कि गवर्मेन्ट में केस करे। परन्तु वह भी है इरिलिजियस। इरिलिजियस। रिलीजन की बात मानेंगे नहीं। कोई भी हालत में केस जरूर करना पड़ेगा। भारत का उत्थान और पतन है ही गीता पर। यह गीतापाठशाला है ना। तुम जानते हो बाबा हमको विश्व का मालिक बनाते हैं। वह झूठी गीता पढ़ते2 तो कंगाल बन गये हैं। इस बाबा ने भी गीता तो बहुत पढ़ी है। नेमी थे। गीता पढ़ेंगे पत्तों को जल देंगे तिलक देंगे तब खाना खावेंगे। और फिर शुरू से लेकर नारायण का पुजारी था। पहले लक्ष्मी नारायण का चित्र था। लक्ष्मी नारायण की पांव दबाये रही थी। तो ख्याल आया इन चित्र से ही रसम निकाले हैं जो स्त्री बैठ पति का पांव दबाती है। ऐसे बहुत पुरुष हैं जो स्त्री से पांव दबाते हैं। तब नींद करते हैं। नारायण का चित्र तो बहुत अच्छा था। तो लक्ष्मी का चित्र निकलवाये दिया एक अच्छे फोटो ग्राफर से। उस समय कोई ज्ञान नहीं था। भक्ति में था। 12 गुरु किये हुये थे। नारायण का चित्र साथ में ही रहता था। यह नहीं समझते थे कि मैं ऐसा बनूंगा। नहीं। जब दर्शन दियो। बस यह तो वन्डर हो गया ना। छोटेपन में जो कृष्ण का भक्त था। घूमता फिरता था। अनाज बेचता था। बड़ा हुआ तो फिर नारायण से प्रित हुई। कृष्ण का चित्र ही छोड़ दिया। अब वन्डर खाता हूं। कृष्ण का भी भक्त बना, नारायण का भी भक्त बना। पहले होती है अव्यभिचारी भक्ति एक शिव की। फिर देवताओं की। फिर व्यभिचारी बन जाते हैं। गुरुओं को भी देखो माथा टेकते है ना। शरीर भी 5 तत्वों का बना हुआ है ना। शरीर को पूजना यह तो 5 तत्वों की पूजा हो गई। इसको कहा जाता है भूत पूजा। बाप बैठ समझाते हैं। मनुष्य की पूजा करना भूत की पूजा है। आत्मा की पूजा अलग होती है। रात दिन का फर्क है। वह फिर शिवलिंग और शालिग्राम बनाये पूजा करते हैं। बाबा का यह सब देखा हुआ है। यह लोग तो अपन को शिवोहम कह कर बैठ पूजा कराते है। अभी यह तो समझते हो ऊंच ते ऊंच है भगवान। कृष्ण को कब ऊंच ते ऊंच नहीं कहेंगे। राम राज्य और रावण राज्य का अर्थ भी तुम जानते हो। राम तो है त्रेता में। रावण होता है यहां। सूर्यवंशी के बाद चन्द्रवंशी राज्य चलता है। चन्द्रवंशी के बाद होता है रावण राज्य2। इसलिए इसे रामराज्य और रावण राज्य कह दिये है। रामराज्य में सूर्यवंशियों को भी मिलाये देते हैं। नहीं तो सूर्यवंशी हुये लक्ष्मी नारायण। यहां फिर भगवान को भी राम कह देते। पतित पावन सीताराम। बाबा ने समझाया है सभी सीतायें हैं, ब्राईड्स, एक बाप है ब्राईडग्रुम। तुम बच्चों का सिंगारने आते हैं। बाप बैठ समझाते हैं रामराज्य, रावणराज्य क्या है। आगे तुम भी नहीं जानते थे। कोई राम का भक्त है, कोई हनुमान का। कोई गणेश का। अब जब कि गाते हैं पतित पावन सीताराम। फिर हनुमान कहां से आया। यहां भी आधा रास्ता पर हनुमान का मंदिर बनायें दिया। एक एक्सीडेन्ट हुआ। हनुमान के भक्त ने कह दिया यहां हनुमान का मंदिर बनाओ तो एक्सीडेन्ट नहीं होगा। बस वहां कुटिया में बैठ गया। मंदिर बनाये दिया। जैसे कि उनकी प्रापर्टी हो गई। रामायण में क्या2 बैठ लिखा है। राम की सीता चुराई गई। फिर बन्दरों ने पुल बांधी। कितनी दन्त कथायें लिख दी है। बाप कहते हैं रावण का राज्य

तो यहाँ है ना। लंका की तो बात ही नहीं। अभी वन्डर लगता है रावण कि फिर लंका कैसे होगी। कहते हैं सोने की लंका थी। जो डुब गई। सतयुग में तो यह सिलौन आदि होती नहीं। यह है बौधी धर्म की। बौद्धी भी कहते हैं। तो बाप समझाते हैं भक्ति मार्ग का बहुत फैलाव है। खर्चा भी बहुत करते हैं। बाप कहते हैं मीठे2 बच्चे याद है ना तुम सो देवी देवता थे, इन लक्ष्मी नारायण का राज्य था। कारू की खज़ाने थी। कितने हीरे जवाहर मणिया आदि थी। फिर महमुद गजनवी कितना लूट कर लेगये। बाबा जानते है इतनी छोटी एक मणि का दाम 25 हजार था। अब तो इसका 3-4 लाख दाम होता। विचार करो भारत में क्या2 था। कितने बड़े मंदिर थे। एक ही मंदिर को लूट कितना ऊंट भर कर ले गये। अभी भारत का क्या हाल है। यह सब ड्रामा में नुंध है। फिर भी होगा। जो पास्ट हुआ सो फिर रिपीट होगा। यह चर्क फिरता रहता है। अभी तुम बच्चे समझते हो हम पढ़ रहे हैं नर से नारायण बनने लिए। सतयुग में वा कलियुग में तो नहीं पढ़ावेंगा। इसलिए यह पुरुषोत्तम संगम युग गाया हुआ है। बाप कहते हैं मैं कल्प 2 संगम युग आता हूं। गीता में लिख दिया है युगे2। सो भी 4 युग। पांचवां यह संगम युग! फिर यह इतनी अवतार कहां से आई। फिर कह देते ठिक्कर भितर में भी परमात्मा है! रजोगुणी जब थे तो कुछ समझते थे। अभी तमप्रधान बने हैं तो सर्वव्यापी कह देते। सर्वव्यापी की बात पर भी बहुत मतभेद होते हैं। मुख्य बात है गीता का भगवान कौन? तुम लिखते हो गीता का भगवान त्रिमूर्ति शिव। त्रिमूर्ति अक्षर नहीं लिखते तो कहते भगवान तो निराकार है वह कैसे ज्ञान देंगे। तुम सिध करते हो वह ज्ञान का सागर पवित्रता का सागर है। कृष्ण की महिमा ही अलग है। वह है सतयुगी देवता ज्ञान का सागर बाप संगम युग पर ही आते हैं। अभी गीता में कृष्ण का नाम डाल शिव का नाम गुम कर दिया है। तुम केश करो तो वन्डर खावे। ब्रहमाकुमारि ने वन्डरफुल केश किया है हाईकोर्ट में। इसके लिए ऐसा वकिल भी चाहिए। जब वह खुद आये समझे तब लड़ सके। पहले तो बड़े वकील को हाथ करना पड़े। पहले2 कोशिश कर यह नाम तैयार करना चाहिए। सिर्फ गीता को खन्डन करने से भारत की इतनी दुर्गति हुई है। अब बाप द्वारा भारत की सदगति हो रही है। सो अच्छी रीति समझे। समझने वाले ही समझेंगे। गर्वमेन्ट तो समझेंगे नही। न पवित्र बनेंगे। अब क्या किया जावे। यह है बड़ा तिखा बम। सब की रजाई एकदम उड़ने शुरू हो जावेंगे। जो भी गुरू लोग हैं उनके हृदय विदीर्ण हो जावेंगे। हम सब झूठे हैं। वह तो कह देते कृष्ण भी भगवान राम भी भगवान। सब भगवान के रूप हैं। भगवान ही स्त्री पुरूष बनता है। भगवान की ही लीला है। बड़ी मस्त रहते हैं। तुम बच्चों ने एक बात पर विजय पाई तो बस। गीता का भगवान परमपिता परमात्मा शिव है यह बम छोड़ो। अखबार में भी यह डाल कान्टरास्ट दिखाये बोलो अब जज करो गीता का भगवान कौन? यह झूठी गीता पढ़ने से भारत पतित बना है। अब बाप राज योग सिखाये रहे हैं। अखबारों में यह निकालो। बम छोड़ना हो तो यह। एरोप्लेन से भी यह पर्चे छपाये गिरावो। तो सबको मालूम पड़े। फिर समझने की कोशिश करेंगे। मुल बम यह अखबार में डाल खुब बांटो। बाकि मायाओं मोटरे खरीद की करेंगे गांव की सर्विस के लिए। फिर सम्भालना भी पड़े। गवर्मेन्ट कहेगी खर्चा कहां से आया। माया ही खराब कर देते है। बाबा लिख देंगे कि सेमिनार हो या न हो बाबा तो सदा समझाते रहते हैं सर्विस कैसे बढ़ाओ। बाकि आर्किटेक्टरस कहां से आवेंगे। कितने को सर्विस से छुड़ावेंगे। इन सब से तो नाम तैयार करो जो सब की हृदय विदीर्ण हो जाए। तुम बच्चे विश्व के मालिक बनते हो। खर्चा कुछ भी नहीं। उन लड़ाई आदि में कितना खर्चा है। एरोप्लेन्स आदि कितने गिरते हैं। अभी तो बाम्स आदि भी ऐसे2 बनाते हैं। जो गिरे और खतम कर दे। कोई तकलिफ न हो। नेचरल कैलेमिटिज भी होनी है। ऐसा बम गिरे जो बहुत परिवर्तन हो जाए। परन्तु अब समय आया नहीं है। हंगामा बहुत हो जावे। यह बम तब छोड़ेंगे जब मिडमिनिसिटर लगेंगे भिष्मपितामह आदि भी शरण आवेंगे। उस में तो देरी है। साधु संत आदि सब बिगड़ जावेंगे। दुश्मन बनेंगे। क्योंकि तुम्हारी जीत होती है। उनका भंडा फूट जावेगा।
अच्छा मात-पिता बाप दादा का यादप्यार बाद गुड मार्निंग।